Vastuland.com
Info@vastuland.com
Nagpur :: Mumbai :: Indore :: Jabalpur :: Bilaspur :: Bhopal
Vastu land
The Land Bank
An ISO 9001:2000 Certified Company

उसलापुर ओवरब्रिज 31 मार्च तक

विलंब | कलेक्टर ने रेलवे के अधिकारियों के साथ किया ब्रिज का निरीक्षण, काम पूरा करने नई तारीख मुकर्रर

लोक निर्माण विभाग को जनवरी तो रेल्वे को काम पूरा करने के लिए मार्च तक का समय।

भास्कर न्यूज़ | बिलासपुर.

प्रशासन की ओर से मुकर्रर वक्त पर काम हुआ तो बिलासपुर-मुंगेली पहुंच मार्ग के यात्रियों को उसलापुर फाटक पर ओवरब्रिज की सुविधा 31 मार्च तक मिल जाएगी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर निर्माण की समय-सीमा निर्धारित की है।

बिलासा की नगरी को धूल मुक्त बनाने की कार्ययोजना तो तैयार हुई है, लेकिन इसे मूर्तरूप देने में सालों लग रहे हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि तिफरा और उसलापुर ओवरब्रिज का निर्माण 6 साल में भी पूरा नहीं हो सका है। यह और बात है कि सरकारी रिकार्ड में तिफरा ओवरब्रिज का काम पूरा हो गया है और आवागमन भी शुरू हो गया है, लेकिन मौके पर स्थिति कुछ और है। बहरहाल जिला प्रशासन उसलापुर ओवरब्रिज निर्माण के काम में तेजी लाने के साथ ही इसे अगले 8 माह में तैयार कर लेने पर ध्यान केंद्रीत कर रहा है। इसी मंशा से कलेक्टर सोनमणि बोरा ने मंगलवार को नगर निगम आयुक्त मुकेश बंसल सहित रेलवे और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ मौके का मुआयना किया। कलेक्टर ने निरीक्षण में लोक निर्माण विभाग और रेलवे, दोनों ही विभागों के काम के लेकर नाराजगी जताई। श्री बोरा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को फटकारते हुए 30 जनवरी 2010 तक काम पूरा करने के निर्देश दिए। इसी तरह रेलवे के अधिकारियों को पटरी के ऊपर वाले हिस्से के निर्माण में तेजी लाने के साथ ही निर्माण पूरा करने के लिए 31 मार्च तक की मोहलत दी गई है।

उसलापुर का अधूरा पड़ा ओवरब्रिज। कलेक्टर सोनमणि बोरा, नगर निमम आयुक्त मुके बंसल, रेलवे सहित अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण कर ठेकेदार को दिए निर्देश।

पिल्लर कितने मजबूत

उसलापुर ओवरब्रिज का निर्माण प्रारंभ से ही संदेह के दायरे में है। कभी ले-आउट में गड़बड़ी हुई, तो कभी गर्डर गिरा। यहां तक कि ओवरब्रिज के 5 पिल्लरों की मजबूती पर भी उंगलियां उठी। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कमजोर पिल्हरों को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि विभाग ने यह काम पहले ही शुरू कर दिया है।

हर माह होगी समीक्षा

निर्माण एजेंसियों की उदासीनता से बिफरे कलेक्टर ने ओवरब्रिज निर्माण की हर माह समीक्षा करने का फैसला लिया है। इसके लिए रेलवे और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को महीने में एक दिन कलेक्टोरेट आकर जानकारी दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीद की जा रही है कि समीक्षा बैठक से निर्माण में तेजी आने के साथ ही गुणवत्ता में भी सुधार होगी।